दृष्टि The Vision

भूगोल (वैकल्पिक विषय)

(मॉड्यूल- II)

मानव भूगोल में संदर्श और मॉडल, सिद्धांत एवं नियम

(भू-आकृति विज्ञान, जलवायु विज्ञान और समुद्र विज्ञान)

DTVF/18(JS)–OPS–G2

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Siddharth Kumar

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): ② 21/07/2018

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

0	8	3	1	0	1	8

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): Hind

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Siddharth Kumar

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

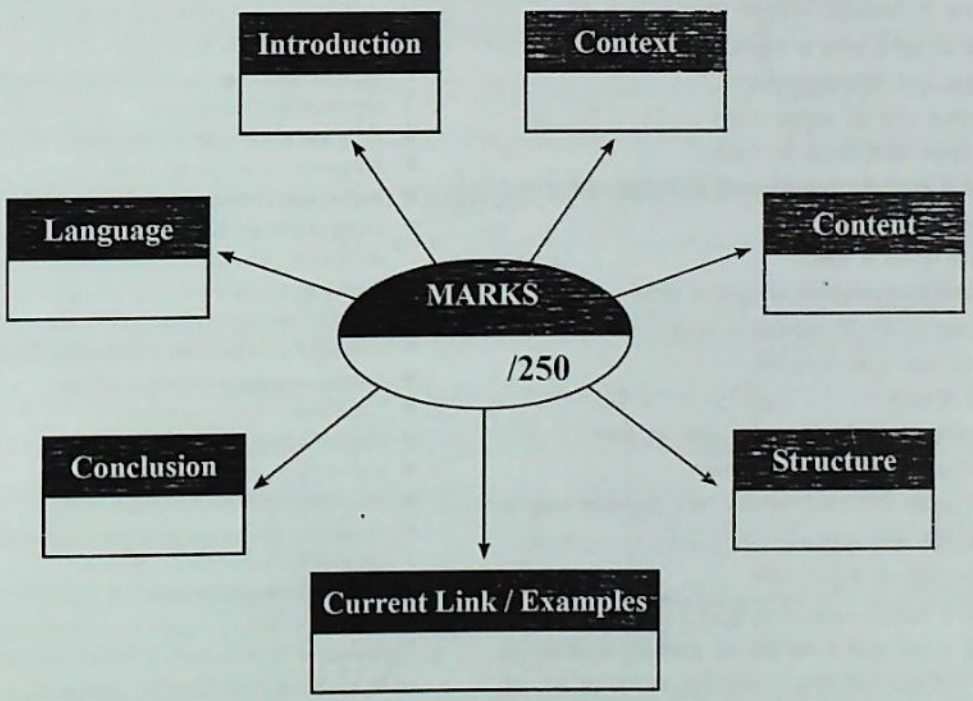

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

A3

मूल्यांकन की पद्धति

प्रिय अभ्यर्थियों,

आपकी उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक-समूह के सदस्य निम्नलिखित निर्देशों का ध्यान रखते हैं। आप भी इन्हें ध्यान से पढ़ें ताकि आप अपने प्राप्तांकों का तार्किक कारण समझ सकें।

परीक्षकों के लिये निर्देश

1. मूल्यांकन में अंकों का वही स्तर रखा जाना चाहिये जैसा संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के परीक्षकों द्वारा रखा जाता है।
2. सामान्य अध्ययन का जो उत्तर हर दृष्टिकोण से सटीक व उत्कृष्ट है; उसे अधिकतम 60% अंक दिये जाने चाहियें क्योंकि आयोग द्वारा किये जाने वाले मूल्यांकन में भी इससे अधिक अंक मिलना लगभग असंभव है। वैकल्पिक विषयों के उत्कृष्ट उत्तरों तथा श्रेष्ठतम निबंधों में अधिकतम 70% तक अंक दिये जा सकते हैं।
3. कृपया अंकों का वितरण निम्नलिखित तालिका के अनुसार करें-

Method of Evaluation

Dear Candidates,

While assessing your answer-scripts, the evaluators are required to follow the given instructions. You should also read them carefully to understand the logic behind the marks obtained by you in the tests.

Instructions for the Evaluators

1. The level of marks while evaluating the answers should be kept as per UPSC (Union Public Service Commission) standards as far as possible.
2. The answers of General Studies which are accurate and excellent from every perspective should be awarded a maximum of 60% marks as it is almost impossible to get more than that in actual UPSC examination. Excellent answers in optional subjects and the best written essays can be awarded a maximum of 70% marks.
3. Please assign the marks according to the following table-

उत्तर का स्तर (Standards of Answer)	सामान्य अध्ययन में अंक-स्तर (Marks Standard G.S.)	वैकल्पिक विषय तथा निबंध में अंक-स्तर (Marks Standard - Optional Subject and Essay)
उत्कृष्ट (Excellent)	51-60%	61-70%
बहुत अच्छा (Very Good)	41-50%	51-60%
अच्छा (Good)	31-40%	41-50%
औसत (Average)	21-30%	31-40%
कमज़ोर (Poor)	0-20%	0-30%

4. कृपया उत्तर में निम्नलिखित गुणों को विशेष प्रोत्साहन दें-
   - प्रश्न की सटीक समझ व उत्तर की व्यवस्थित रूपरेखा
   - संक्षिप्त, टू-द-पॉइंट लेखन शैली
   - प्रामाणिक तथ्यों का समुचित उपयोग
   - अधिकतम जरूरी बिंदुओं का समावेश
   - सरकारी दस्तावेज़ों (मंत्रालयों/आयोगों की रिपोर्ट्स, पॉलिसी पेपर्स आदि) के संदर्भों की चर्चा
   - प्रभावी भूमिका व निष्कर्ष
   - समकालीन घटनाओं/प्रसंगों को उत्तर से जोड़ना
   - दृष्टिकोण में संतुलन, समावेशन व गहराई
   - अच्छी, साफ-सुथरी हैंडराइटिंग
   - भाषा में प्रवाह
   - आवश्यकतानुसार डायग्राम्स, नक्शों आदि का प्रयोग
   - तकनीकी शब्दावली का सटीक उपयोग
   - सुंदर प्रस्तुति शैली (छोटे पैराग्राफ्स रखना, महत्त्वपूर्ण शब्दों को अंडरलाइन करना आदि)
   - विराम चिह्नों का समुचित प्रयोग
   - भाषा में वर्तनी व व्याकरण की शुद्धता
5. टॉपर्स के अनुभव बताते हैं कि उत्तर की विषयवस्तु अच्छी होने पर आयोग के परीक्षक शब्द-सीमा के थोड़े बहुत उल्लंघन पर अंक नहीं काटते हैं। कृपया आप भी इसी दृष्टिकोण के अनुसार अंक-निर्धारण करें।

4. Please devote special attention to the following qualities in an answer–
   - Accurate understanding of the question and systematic presentation of the answer
   - Crisp and to the point writing style
   - Adequate use of authentic facts
   - Inclusion of all the important points
   - Citing of relevant facts and figures from relevant official documents (Ministries /Commissions Reports, Policy Papers etc.)
   - Effective introduction and conclusion
   - Linking of current events and situations with the answer
   - Balance and depth in answer-writing
   - Legible and clean handwriting
   - Flow of language
   - Use of diagrams, maps etc
   - Precise use of technical terminology
   - Beautiful presentation style (small paragraphs, underlining important words etc.)
   - Proper use of punctuations
   - Correct spellings and right use of grammar
5. Experience of UPSC toppers also indicates that if the content of the answer is good, the UPSC examiners do not cut the marks on slight violations of the word-limit. Please award marks strictly according to the above-mentioned instructions.

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

1. निम्नलिखित प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: $10 \times 5 = 50$
   Answer the following in about 150 words each:

   (a) 'किसी एक क्षेत्र की विशिष्टता उसे दूसरे क्षेत्र से भिन्न व्यक्तित्व प्रदान करता है।' टिप्पणी कीजिये।

   'The trait of a place gives it a character which is different from other areas.' Comment.

किसी एक क्षेत्र की विशिष्टता तथा इस विशिष्टता के कारणों का विश्लेषण ही क्षेत्रीय विभेदन है।
कोई क्षेत्र भिन्न कारकों के आधार पर विशिष्ट होता है इसी के द्वारा दूसरे से पृथक किया जाता है अर्थात अलग व्यक्तित्व की प्राप्ति होती है।

Ex - धार्मिक नगर शैक्षणिक नगर

धार्मिक नगर की विशिष्टता मंदिर, मस्जिद, पुजारी, काजी, पूजा अर्चना, परंपरा स्थापित होना।

शोध संस्थान, विद्यालय, शिक्षण प्रशिक्षक इत्यादि की विशिष्टता।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

E - विषुवतरेखीय प्रदेश विशिष्टता लिये हुये हैं,
- वर्ष भर वर्षा
- उच्च ताप व आर्द्रता की दशा
- विषुवतीय आंशाय
- वनस्पतीय विविधता (सघन वर्षा वन)

फलत: ये विशिष्टता अन्य भाग की ओर नहीं मिलती फलत: ये विषुवतरेखीय प्रदेश को भिन्नता प्रदान करती है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भूगोल में द्वैतवाद का क्या महत्त्व है? स्पष्ट कीजिये।

What is the importance of dualism in geography? Elucidate.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भूगोल मे द्वैतवाद से तात्पर्य दो स्वतंत्र विचारधाराओं या दो विपरीत धारणाओं के उदय से है।

जैसे - मानव भूगोल बनाम भौतिक भूगोल
- क्रमबद्ध भूगोल VS प्रादेशिक

द्वैतवाद का महत्त्व →

1. विषय को परिपूर्ण बनाना
2. एक विषय की कमियों को परस्पर उजागर कर भूगोल मे सुधार करना
3. नवोन्मेष को बढ़ावा मिलना
4. वास्तव में द्वैतवाद होता नही है बल्कि दोनो धारणाऐ साथ स्थिति होती है।
5. द्वैतवाद के बाद ही विषय का पूर्ण ज्ञान होना (पूरकता का ज्ञान होना)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Ex – मानव भूगोल व भौतिक भूगोल परस्पर पृथक है, किसी एक का अध्ययन मात्र से भूगोल के उद्देश्य की प्राप्ति संभव नहीं है।

यद्यपि भी द्वैतवाद जब धुर विरोधी व दूसरे के समापन पर तुला हो तो नुकसान भी पैदा कर सकता है।

फलत: हमें भूगोल को पूर्ण रूप से ग्रहण करना चाहिए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) 'अनुरूपण' व 'स्टॉक्स्टिक मॉडल' पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

Briefly comment on 'Simulation' and 'Stochastic Model'.

अनुरूपण मॉडल से तात्पर्य किसी स्थापित गुण / सिद्धांत के अनुरूप मॉडल को विकास करने से है।

Ex. ग्रैविटी मॉडल जो कि गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत पर आधारित है।

↳ ज्यादा प्रयोग कर

जनसंख्या भूगोल व बस्ती भूगोल में प्रवासन आदि पर अनुरूप मॉडल विकसित किये गये हैं।

$$F \propto \frac{m_1 m_2}{r^2}$$

Ex. शहर के प्रभाव क्षेत्र निर्धारण
- प्रवासन का स्वरूप निर्धारण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(d) 'पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रदेश' पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

Briefly comment on 'Western cultural region.'

पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रदेश विकसित देशों से बना एक प्रदेश है जहाँ विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक स्वरूप पाया जाता है।

features –

① क्षेत्र / देश – US, UK, Aus, NZ, etc

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(2) उच्च जीवन प्रत्याशा, पूर्ण नगरीकृत, 100% साक्षरता, लिंग समानता
E.g. - HDI में उच्च रैंक (नार्वे — —

(3) अंग्रेजी भाषा की प्रधानता इसके अतिरिक्त पुर्तगाली, स्पेनिश etc

(4) ईसाई धर्म श्रेष्ठ है यद्यपि कि कुछ क्षेत्रों में यहूदी, मुस्लिम भी पाये जाते है।

(5) औद्योगिकीकृत समाज, उपभोक्तावादी समाज

(6) नगण्य वृद्धि या स्थिर जनसंख्या

(7) इस मण्डल में भाषा व धर्म के विसरण का केंद्र ब्रिटेन है जिसने औपनिवेशीकरण के दौर में प्रसार किया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) 'वातावरण समायोजन सिद्धांत' पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

Briefly comment on 'Principle of Environmental Adjustment'.

वातावरणीय समायोजन सिद्धांत से तात्पर्य वातावरण की समायोजन की कार्यप्रणाली से है।

वातावरण उस पर होने वाले बाह्य हस्तक्षेपों के प्रति प्रतिक्रिया करके (प्रक्रिया - प्रत्युत्तर तंत्र) व होम्योस्टेटिक बैलेंस द्वारा उसके प्रति समायोजन कर लेता है।

Ex - मानव द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (औद्योगिक क्रांति) के प्रति संतुलन ग्लोबल वार्मिंग — जलवायु परिवर्तन व इसके प्रभावों द्वारा होगा।

वातावरणीय समायोजन की निम्न आयाम पर भी हो सकता है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कि मानव स्वयं को वातावरण के प्रति समायोजित कर ले।

Ex – ब्रिटेन से आया हुआ व्यक्ति जब केरल में रहने लगता है तो धीरे-2 वह केरल की सांस्कृतिक वातावरण से समायोजन कर लेता है साथ ही उसकी अगली पीढी में केरल की धूप सहने की क्षमता भी विकसित होगी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3. (a) भूगोल में मात्रात्मक क्रांति के क्या लाभ हैं? वर्तमान में इसके महत्त्व को उजागर करते हुए समालोचनात्मक विवचेना कीजिये। 20

What are the advantages of quantitative revolution in geography? While highlighting its importance at Presents critically examine. 20

भूगोल मे मात्रात्मक क्रांति से तात्पर्य भूगोल मे गणित, भौतिकी के सूत्रों, विधियों के प्रयोग से है।
Ex - ग्रेविटी मॉडल,
- अवस्थिति मॉडल

भूगोल मे मात्रात्मक क्रांति का उदय
भूगोल की महत्त्व को पुनः स्थापना करने के उद्देश्य से क्रम मे हुआ था।

लाभ :-
① यह भूगोल को अधिक वैज्ञानिक व सैद्धांतिक बनाता है।
② गणितीय व स्थापित सिद्धांतों का प्रयोग इसे सत्यप्रमाणिक बनाता है
③ यह अंधविश्वास रहित भावनाओं को हटाते हुए objectivity को महत्त्व देता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(4) optimum उत्पादन / लाभ की प्राप्ति

जैसे - वॉन थ्यूनेन का कृषि अवस्थिति

- वेबर का औ० अवस्थिति मॉडल

(5) इससे भूगोल की पुनः शोध के विषय के रूप में स्थापना हुई।

(6) यह प्रत्यक्षवाद, आनुभाविक विश्लेषण पर आधारित है।

इस तरह 1980 दशक तक मात्रात्मक क्रांति फल-फूलती रही।

लेकिन वर्तमान दौर विशेषतः द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से मानवतावाद, कल्याणवाद का दौर है। इस दौर में मात्रात्मक क्रांति को महत्वहीन माना गया है क्योंकि —

(1) मात्रात्मक क्रांति भूगोल के मूल उद्देश्य मानव के कल्याण पर बल नहीं देती

(2) मानव को एक रोबोट की तरह संवेदनहीन मानता है जबकि मानव एक भावनात्मक सामाजिक प्राणी है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(३) इसके मॉडल isomorphic दशाओं की कल्पना करते हैं. जहां भौतिक राजनीतिक सहित बाजार संरचना में स्थिरता हो जो कि वर्तमान में कतई संभव नहीं है।

(४) मात्रात्मक क्रांति के मॉडल अतिसामान्यीकृत, दोषपूर्ण आंकड़ों पर आधारित हैं, जो सर्वत्र उपयोगी नहीं विशेषतः विकासशील देशों में (5) यह पूंजीवादी तंत्र केंद्रित है।

फिर भी मात्रात्मक क्रांति के प्रत्यक्ष या परोक्ष महत्व से नकार। नहीं जा सकता —

(1) नए मॉडल का विकास जिसको ध्यान में रखकर कल्याण करना

(2) अधिकतम उत्पादन के लिए विचार देना जिससे खाद्य सुरक्षा व आय संभावना हो।

(3) आर्थिक लक्ष्य बताने वाला मानक मानना

~~निष्कर्ष~~: मात्रात्मक क्रांति को पूरी तरह नहीं नकारा जा सकता, ~~आर्थिक व्यवहारवाद को ... क्षेत्र~~ में प्रयोग हो सकता

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 'भूगोल में मानववाद के विकास रूपी महल का निर्माण प्रत्यक्षवाद व मात्रात्मक क्रांति के आलोचनात्मक आधार पर हुआ।' चर्चा कीजिये। 15

'The humanism in geography developed on pragmatism and quantitative revolution.' Discuss. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भूगोल मे मानववाद रूपी धारा का उदय 1960 के दशक मे प्रत्यक्षवाद व मात्रात्मक क्रांति की आलोचनात्मक क्रांति का प्रतिफल है।

हालाँकि मानववाद जिसमे कि मानव अध्ययन का केंद्र होता है, की प्रारंभिक झलक संभववाद, नवनिश्चयवाद मे देखी जा सकती हैं जो कि आगे क्रमिक रूप से बढता गया।

लेकिन इसका एक प्रतिमान के रूप मे विकास IInd world war के बाद हुआ क्योंकि

(1) मात्रात्मक क्रांतियां दोषपूर्ण थी
(2) इसमे मानव कल्याण पर बल नही।
(3) मानव को रोबोट माना गया

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

④ मानव की भावनाओं को महत्व न देना

⑤ पूंजीवाद को बढ़ावा देकर विषमता लाना।

फलतः इस विवेक विरोध मे एक आलोचनात्मक क्रांति का उदगम हुआ जिसमे से उग्र सुधारवाद, कल्याणवाद, व्यवहारवाद जैसी धाराऐं निकली जो मानववाद को अवधारित किये हुये थी।

इसी क्रम मे एक धारा जो मानव का, मानव के लिए, मानव के द्वारा से प्रेरित (मानववाद) का उदय हुआ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) 'भूगोल में उपयोगिता-अभिगम (Pragmatism access) एक नियोजित क्रिया है न कि केवल नियोजन के लिये सोच।' सविस्तार समझाइये। 15

'Pragmatism access is a planned function and not just a thought for planning.' Explain. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

उपयोगितावाद भूगोल के
विश्लेषण का एक अभिगम है
जिसमें किसी मॉडल के प्रयोजन
पर बल दिया जाता है।

(1) यह प्रत्यक्षवाद पर आधारित
(2) अनुभवजन्य आंकड़ो से बना
प्रमाणिक मॉडल

इसमें किसी मॉडल के
व्यावहारिकता के लिए परीक्षण
किये जाने को महत्व दिया
जाता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) मानव विकास सूचकांक के मूल्यांकन के आधारों की चर्चा कीजिये।

Discuss the bases of estimation of Human Development Index.

मानव विकास सूचकांक UNDP द्वारा जारी किये जाने वाला इंडेक्स है जो विभिन्न देशों में मानव विकास के स्तर का मापन करता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright Drishti The Vision Foundation

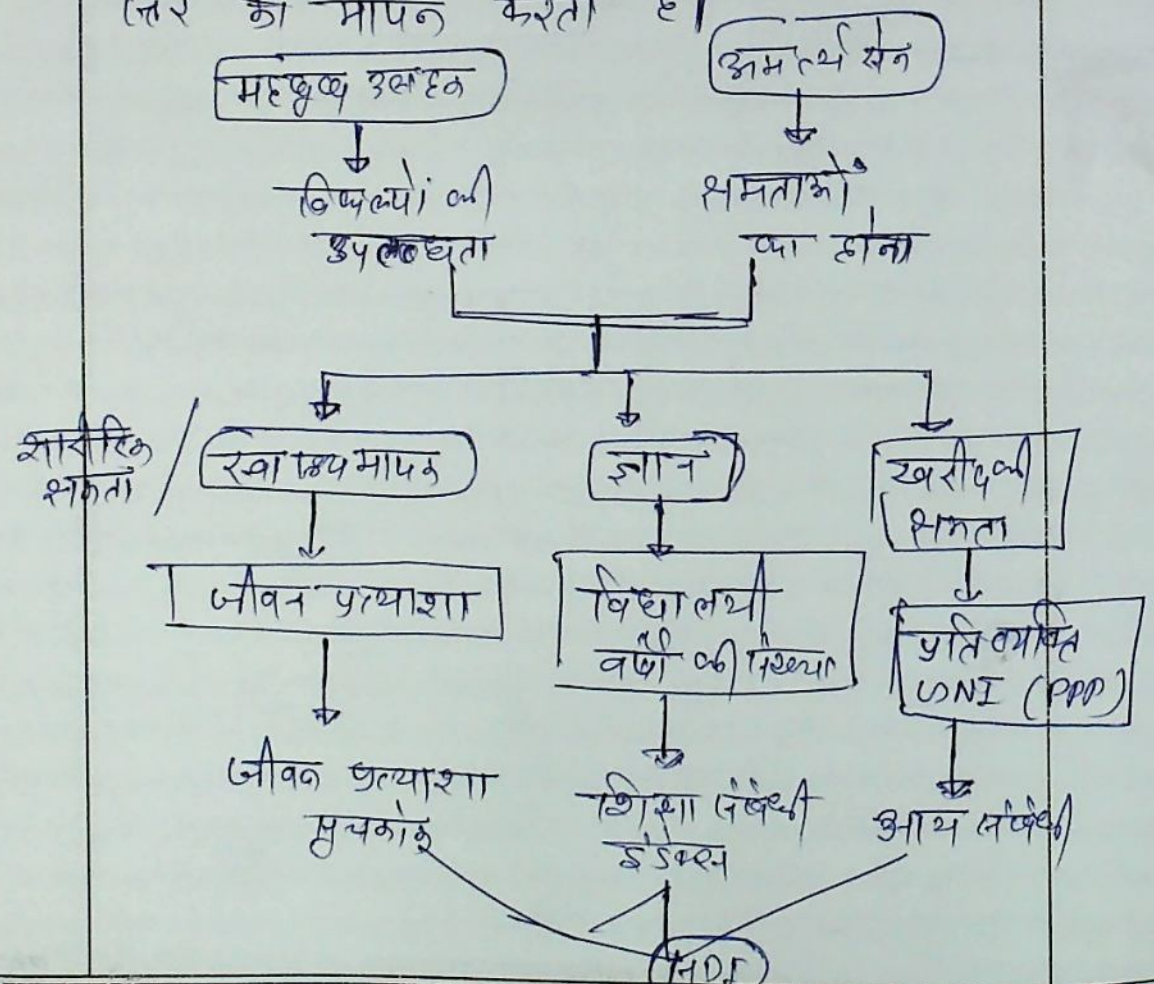

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

स्वास्थ्य घटक :- "पहला सुख निरोगी काया"

बिना स्वास्थ्य के अच्छी जीवन गुणवत्ता की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती। अच्छा स्वास्थ्य बेहतर क्षमताओं का विकास करता है।

इसका मापन जन्म के समय जीवन प्रत्याशा के आधार पर किया जाता है।

शिक्षा → मापन का आधार विद्यालय में बिताये वर्षों की संख्या।

↳ शिक्षा व्यक्ति को बहुसक्षम बनाकर अधिक विकल्प प्रदान करती है।

आय क्षमता → पर्चेजिंग पावर पैरिटी के तुलनात्मक अध्ययन आधारित।

यद्यपि यह प्रसंशनीय सूचकांक है लेकिन इसमें पर्यावरण लागत संबंधी घटक का न होना, दोषपूर्ण मानव कल्याण प्रेरित बनाता है।

फलतः इसे भी शामिल किया जाना चाहिए जैसे (भूटान मॉडल) अनुकरणीय है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 'हॉउशोफर के जैविक सिद्धांत' पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

Briefly comment on the 'Organic theory of Haushofer'.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हॉशुफर का जैविक राज्य का सिद्धांत डार्विन के विकासवाद पर आधारित है।

इसमें राज्य को एक जैविक इकाई माना गया है, जिसे अपने Survival व विकास के लिए विस्तार करने का प्राकृतिक अधिकार प्राप्त है।

इस राज्य का जैविक सिद्धांत सीमाओं को विवादास्पद बना सकता है जो युद्ध, की ओर ले जा सकता है।

इसी आधार पर साम्राज्यवाद को सही ठहराया जाता है कि राज्य को प्रसार का अधिकार है।

लेकिन वर्तमान समय

Copyright Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सदी के लोकतांत्रिक दौर के राज्य का विस्तारवादी होना लाभकारी नहीं है।

उदा = चीन का विस्तारवादी रवैया और भारत, भूटान, सहित पूर्वी व दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों से विवादास्पद संबंध

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(d) हिस्कैनन के भूसंतुलन सिद्धांत पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

Briefly comment on Heiskanen's theory of isostasy.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

हिस्कैनन का भूसंतुलन सिद्धांत कोई स्वतंत्र सिद्धांत न होकर ऐयरी व प्राट को मिलाकर किये गये संशोधन पर आधारित है।

अवधारणाएं →

① भिन्न-2 भूद्रव्यमान पिण्डों का घनत्व अलग होता है। (~~एयरी~~ प्राट)

② इन्होंने घनत्व में क्षैतिज के साथ लंबवत परिवर्तन को भी नहीं बताया। अर्थात किसी स्तम्भ के लंबवत गहराई में भी उसका घनत्व बदलता है।

③ यह उसी प्रकार है जैसे ~~पानी~~ पानी में रखे ~~लकड़ी~~ किसी धातु के टुकड़े की तली में उच्च घनत्व की परत लगा दी हो।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright - Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(P) फलतः उस संतुलन के लिए जड़ सिद्धांत या तैराव सिद्धांत की आवश्यकता नहीं होगी।

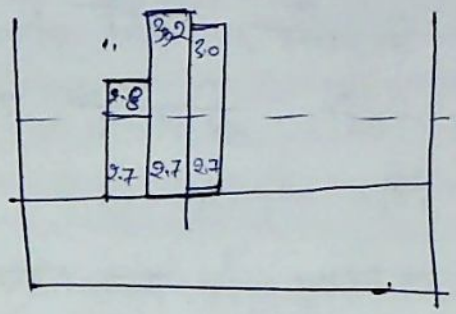

इस तरह अपरदन, परिवहन, अवसादन, उत्प्लावन से संतुलन व्याप्त है।

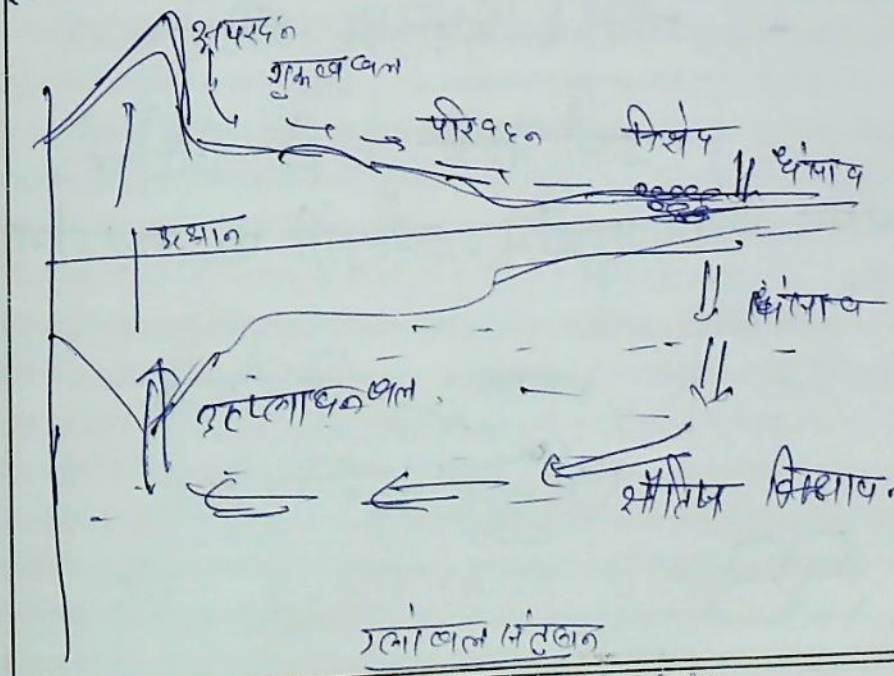

ग्लोबल संतुलन

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) 'केंद्रीय स्थान' एवं 'केंद्रीयता' पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

Briefly comment on 'Central Place' and 'Centrality'.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

केंद्रीय स्थान :- केंद्रीय स्थान एक ऐसा स्थान है जो स्वयं से निचले पदानुक्रम की बस्तियों को सेवित करता है।

ब्रह्माण्ड में हर स्तर पर प्रत्येक तंत्र का एक केंद्र होता है

Ex = नाभिक में केंद्र
- सूर्य ब्रह्माण्ड के केंद्र में
- गांव के केंद्र में मंदिर

इसी तरह यही केंद्रीय स्थान का सिद्धांत बस्तियों पर लागू होता है।

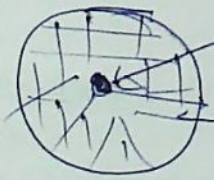

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

केंद्रीयता (Centrality) -

केंद्रीयता किसी केंद्र स्थल द्वारा सेवाएं / वस्तुएं प्रदान करने की क्षमता या प्रकार्यता को दर्शाता है।

किसी बस्ती की केंद्रीयता उच्च होने का तात्पर्य है उसके द्वारा प्रदत्त सेवाओं मे विविधता अधिक होने से है।

उच्च केंद्रीयता उच्च पदानुक्रम से संबंधित होती है।

Ex - राष्ट्रीय राजधानी
|
राज्य राजधानी
|
जिला मुख्यालय
|
ग्राम पंचायत

घटती केंद्रीयता ↓

इसे K-मान द्वारा मापा जाता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) लॉस का केंद्रीय स्थल सिद्धांत कहाँ तक क्रिस्टालर के केंद्रीय स्थल सिद्धांत की प्रगतिशीलता को दर्शाता है? समालोचनात्मक विश्लेषण करें। 15

How does the Central Place Theory of Losch depict the continuity of that of Christaller? Critically analyze. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

केंद्र स्थल सिद्धांत बस्तियों के पदानुक्रम व केंद्रीय स्थलता के विश्लेषण के आधार पर क्रिस्टॉलर द्वारा दिया गया सिद्धांत है।

यह केंद्रीय स्थल, रेंज, देहरी, केंद्रीयता आदि संकल्पनाओं पर आधारित है।

लेकिन इसमें कमियां →

① यह भारत और विकासशील देशों पर व्यवहार्य नहीं।

② इसकी मान्यतायें अतार्किक हैं।
Ex- सेवित क्षेत्र को गोलीय न मानना।

③ इसमें केंद्रीयता दिखाने वाले Ex मूल्य को निश्चित रखा जाना

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लोश ने इन कमियों मे सुधार किया तथा मॉडल को संशोधित कर अधिक व्यावहारिक बनाया —

① कुल 150 वस्तुओं मानकर उन्हें अमीर व गरीबों के बीच मे विभाजित करना।

② इसका मॉडल मांग शंकु बनाया गया जिसके स्थित गोलीय क्षेत्रों को चापीय रूप में घुमाने पर षटकोण संरचना की प्राप्ति।

③ इसमें K का मान स्थित नहीं बल्कि परिवर्तनशील माना गया।

K = 3, 7, 10, 28, 45, ----

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

फलतः लॉश ने क्रिटीकल के मॉडल में सुधार कर इसे अधिक व्यावहारिक व प्रमाणिक बनाया। है लेकिन इस सिद्धांत की सीमितताएँ हैं। -

① व्यावहारिक उदाहरण विश्लेषण न कर पाना

② निरोधन ने सिद्धांत में अधिक जटिलता आ जाना

③ अमीर - गरीब की विभाजन को मान्यता देना

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) रोस्टोव का वृद्धि अवस्था मॉडल किसी देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के निर्धारण हेतु श्रेष्ठ मॉडल है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। 20

The Rostow's stages of growth model is best suited for the socio-economic development of a country. Critically examine. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

रॉस्टोव ने वृद्धि अवस्था का मॉडल दिया जो कि किसी समाज की वृद्धि को अवस्था आधारित क्रमिक मानता है।

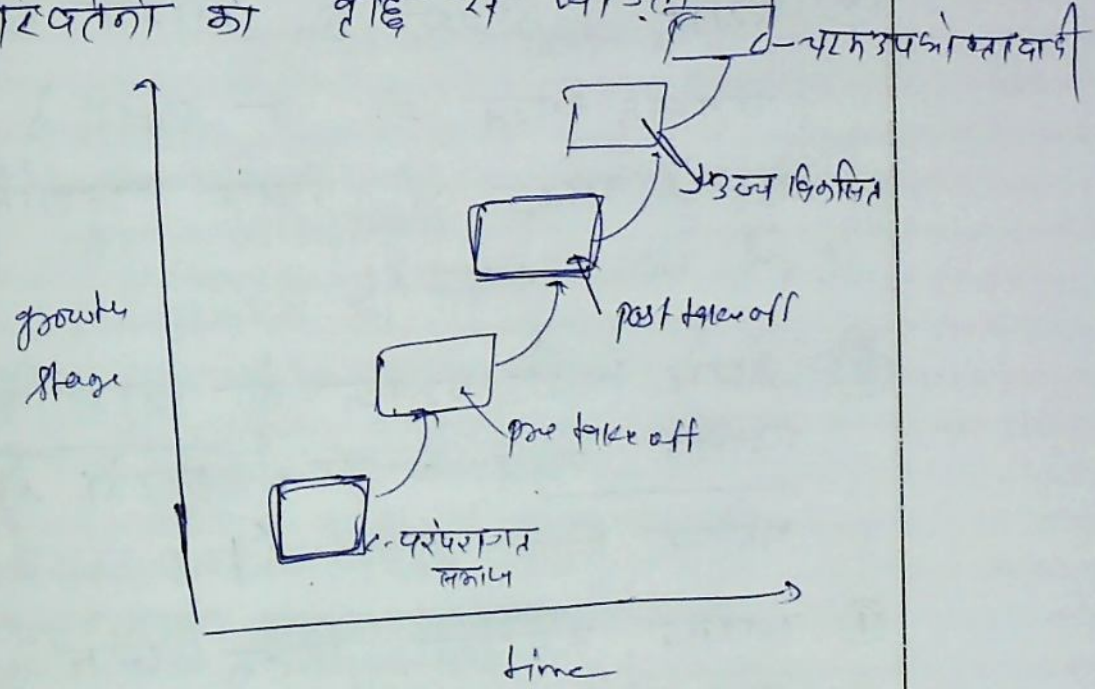

यह किसी समाज के सामाजिक - आर्थिक - राजनीतिक - प्रौद्योगिकी परिवर्तनों को वृद्धि से जोड़ता है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यह मॉडल किसी देश के सामाजिक, आर्थिक विकास का विवरित मॉडल है।

① इसमें समाज का संपूर्ण परिवर्तन ग्रामीण, रूढ़ीवादी, परंपरागत, राजतंत्र से नगरीय, आधुनिक, लोकतांत्रिक समाज मे परिवर्तन को दिखाया गया है।

② ~~इसमे~~ 19 वीं सदी के भारत को, वर्तमान भारत को व 2050 के बाद के भारत की स्थिति निर्धारित की जा सकती है।

③ इसमे किसी समाज के सामाजिक-आर्थिक विकास के सभी कारकों को शामिल किया गया है।

④ जापान, अमेरिका, ब्रिटेन और (stage V) के अतिउपभोक्तावादी देशों दर्शाया जा सकता है। जहां पर

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उच्च प्रति व्यक्ति आय, 85% से ज्यादा जीवन प्रत्याशा, 100% शिक्षा व अतिनगरीकरण की दशा है

(5) इसमें युगांडा, केन्या, अंगोला, सूडान और गरीब देशों को देखा जा सकता है, जहाँ उच्च जन्मदर व उच्च मृत्यु दर, कम जीवन प्रत्याशा, तानाशाही शासन, भीषण गरीबी व कुपोषण की दशा है (Stage 1)

लेकिन रोस्टोव मॉडल मानव में चुनौतियाँ —

(1) चीन, ऑस्ट्रेलिया, पूर्वी लैंड और देश इस क्रमिकता का पालन नहीं करते

(2) अरब देशों का आर्थिक स्तर stage V में है लेकिन सामाजिक स्तर नीचे ही है

(3) इसके भारत सहित जैसे विकासशील देशों पर लागू करना अव्यावहारिक है

(4) यह मूलत: पूंजीवाद का प्रचार उद्देश्य व मार्क्स के विचारों के विरोध पर आधारित है

(5) वृद्धि का स्थिर मॉडल इसे पूर्ण बना सकता है

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा के निर्धारण में ह्विटलसी के 'केंद्र बाह्य सिद्धांत' पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये। 15

Briefly comment on the 'Core Peripheral theory' of Whittlesey in determining the international boundaries. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा एक रैखिक इकाई है, जो कि एक राजनीतिक संकल्पना है जिसकी देश की संप्रभुता को निर्धारित करती है।

Ex - मैकमोहन रेखा भारत व चीन की सीमा

Core peripheral Theory :-

यह सिद्धांत बताता है कि प्रत्येक देश या प्रदेश का एक core भाग होता है तथा सीमांत पर परीफेरी भाग होता है।

Core भाग राजनीति का केंद्र, विकास का केंद्र, मुख्य गतिविधियों का केंद्र होता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

जबकि केरीकंटल जाना सीमांत का अविकसित तथा आक्रमण के प्रति सुभेद्य रहता है।

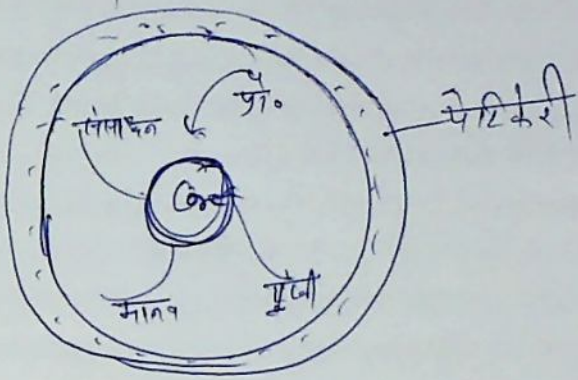

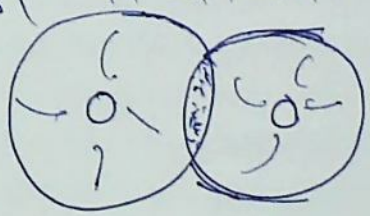

दो देशों के मध्य सीमा का निर्धारण पेरीकेरी के आधार पर किया जाता है जिस पर विवाद होने की संभावना बनी रहती है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

8. (a) स्थलाकृतिक विकास से संबंधित डेविस और पैंक के विचारों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करें। 15

Give a comparative account of the ideas of Davis and Penck on landform development. 15

स्थलाकृति विकास से तात्पर्य किसी उच्च स्थलीय स्थलखण्ड के एक निम्न अवस्थाकीय स्थलखण्ड में रूपांतरण से है।

स्थलाकृतियों के विकास के लिए डेविस व पैंक का योगदान महत्वपूर्ण है।

डेविस (USA)	पेंक (जर्मनी)
① पहले स्थलखण्ड का उत्थान होगा उसके बाद बहिर्जात प्रक्रम सक्रिय होगा	⊙ अंतर्जात बल व बहिर्जात बल दोनों एक साथ कार्यरत
② अवस्था आधारित	⊙ प्रक्रम आधारित
③ स्थलाकृति विकास संरचना, प्रक्रम व अवस्था का फलन है	⊙ अंतर्जात व बहिर्जात बल आधारित प्रक्रम प्रेरित
④ ढाल पतन की प्रक्रिया अधः क्षय द्वारा	⊙ ढाल पतन पश्च क्षय द्वारा (समानांतर निवर्तन)
⑤ समय आधारित	⊙ समय पर निर्भर नहीं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

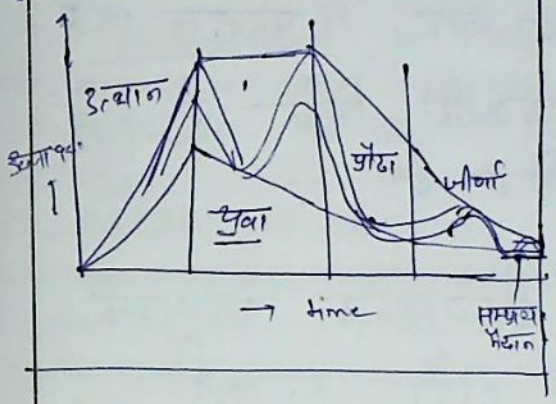

⑥ पृष्ठ समतल मैदान को peneplain कहा जो अवतलोत्तल मोनाडनॉक युक्त

⊙ endrumpf नाम दिया जो इंसेलबर्ग संरचना युक्त

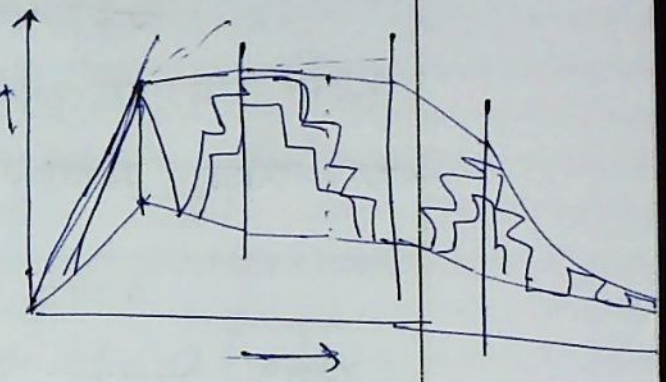

⑦ आई प्रवेग के आवर्तित

⊙ आई में प्रारंभ व ढलान में अंत

फलतः यद्यपि दोनों के सिद्धांतों में कुछ अंतर है फिर भी, दोनों में चक्रीय मॉडल, बहिर्जात संचलन का मुख्य प्रभाव व प्रक्रम को महत्व देना समानता है। दोनों का अंत्योत्पाद्य समतल मैदान है, यद्यपि कुछ उच्चावचीय अंतर है।

दोनों ही सिद्धांत पूर्ण नहीं है डेविस का सिद्धांत जो सामान्य चक्र

641, प्रथम तल मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नहीं माना जा सकता है क्योंकि यह केवल पर्वत - नदी तंग भाग पर ही लागू होता है न कि युवा - अर्द्धवृद्ध भागों पर। (चित्र)

नदी घाटी का अपरदन जड़ जटिलता व अस्पष्टता लिये है, जो यथोचित प्रमाण रहित है।

फलतः क्षेत्रीय विकास संबंधी सिद्धांत में दोनों का ही विशिष्ट महत्व है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) वायुमंडल के त्रिकोशिकीय रेखांशिक परिसंचरण की क्रियाविधि को तथा विश्व की जलवायु में उसके महत्त्व को स्पष्ट करें। 20

Discuss the mechanism of tri-cellular longitudinal circulation in atmosphere and its significance for the global climate. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

त्रिकोशिकीय रेखांशिक परिसंचरण से तात्पर्य वायु का हैडली सेल, फेरल सेल व पोलर सेल के माध्यम से चक्रीय प्रवाह से है जिसमें क्षैतिज व ऊर्ध्वाधर दोनों गतियाँ शामिल हों।

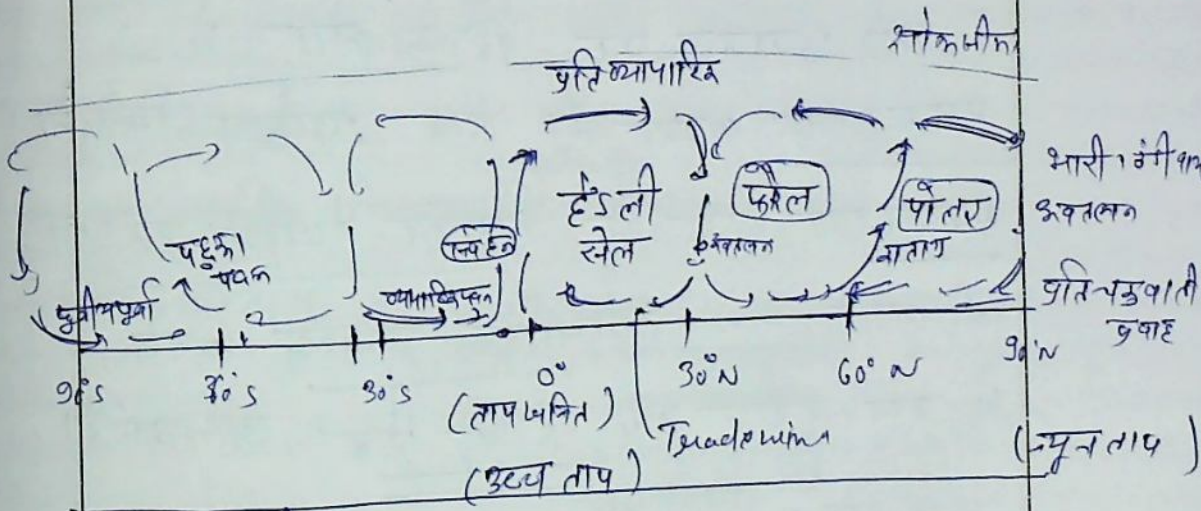

क्रियाविधि - इसकी उत्पत्ति का मुख्य कारण विषुवत व ध्रुवों के मध्य विशाल ताप का अंतर होने से है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विषुवत पर उच्च सूर्यातप के कारण वायु गर्म होकर प्रसारित होती है तथा ऊर्ध्वाधर संवहन प्रवाह उत्पन्न करती है। जो क्षोभसीमा पर जाकर दोनों ओर प्रतिविषुवतीय प्रवाह बनाता है, जिसे प्रतिव्यापारिक पवन कहते हैं। यह प्रतिव्यापारिक पवन 30° अक्षांश के आस पर भारी-ठण्डी होकर अवतलित हो जाती है। जिससे धरातल पर 30° के क्षेत्र में उच्च दाब बनता है। तथा उपोष्ण कटिबंधीय उच्च दाब क्षेत्र से विषुवत रेखीय निम्न दाब की ओर बने व्यापारिक प्रवाह बनने से एक चक्रीय रूप हेडली सेल बनता है।

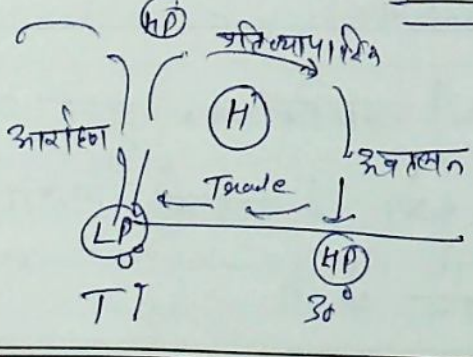

फलतः आरोहण, अवतलन व व्यापारिक-प्रतिव्यापारिक के प्रवाह से बनी सेल हेडली सेल है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

इसी तरह 30° अक्षांश से चला पश्चिमी पछुआ प्रवाह 90° अक्षांश से आने वाली ठण्डी पवन से अभिसरण कर वाताग्रीय सतह पर ऊर्ध्वाधर प्रवाह बनता है जो क्षोभमण्डल में जाकर द्विशाखित हो जाता है जिसकी एक शाखा Antitrade पवन की अभिसरित होकर 30° अक्षांश पर अवतलित होगी व दूसरी शाखा 90° पर ठण्डी होकर नीचे बैठेगी। फलतः इस तरह फेरल व पोलर सेल कार्य करेगी।

जलवायु में महत्व →

1. अक्षांशीय ताप संतुलन ⇒ विषुवत $\rightleftarrows$ ध्रुव (गर्म →, ठण्डी ←)
2. वैश्विक हीट बजट बनाये रखना
3. वाताग्र व चक्रवात निर्माण द्वारा ताप, आर्द्रता का संचरण
4. पवनों द्वारा महासागरीय संचलन फलतः त्रिकोशिकीय वायुमण्डल परिसंचरण का वैश्विक ऊर्जा प्रवाह पैदा कर पृथ्वी के हीट बजट के माध्यम से जलवायु को सम बनाने में योगदान देती है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) महासागरीय निक्षेपों का वर्गीकरण प्रस्तुत करते हुए गंभीर महासागरीय निक्षेप का विस्तृत विवरण दीजिये। 15

Give an account of various oceanic deposits and explain the pelagic deposits. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

महासागरीय निक्षेप महासागरों में पाये जाने वाले निक्षेपित अवसादों को कहा जाता है।

महासागरीय निक्षेपों का वर्गीकरण

प्राप्ति स्थल के आधार पर
(1) लिटोरल निक्षेप
(2) मग्न तटीय
(3) गहन सागरीय

उत्पत्ति के आधार
(1) स्थलजात निक्षेप → रेत, बजरी
(2) जैविक — पैलेजिक
(3) अजैविक
└ Red clay
(4) ज्वालामुखी जनित

* पैलेजिक निक्षेप

पैलेजिक निक्षेप ऐसे निक्षेप है जो गहन सागरीय भाग अथवा वितलीय मैदान भागों के साथ पाये जाते है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पैलेजिक निक्षेप।

- अजैविक
  - ज्वालामुखी राख
  - उल्का पात जनित
- जैविक
  - (ooze) चूना प्रधान
  - (ooze) सिलिका प्रधान
    - टेरापॉड → मोलस्क जीव
    - रेडियोलेरियन → रेडियोलेरिया
    - ग्लोबजेरिना → केराक्रिकेला जीव

पैलेजिक निक्षेपों का स्रोत जीवों के अस्थि पंजर व अवशेष होते हैं जिनमे चूना वाले अवशेष वाले निक्षेप घुल जाने के कारण एक गहराई पर जबकि सिलिका प्रधान निक्षेप अधिक गहराई तक पाये जाते है। इन्हे विशिष्ट जीवों की वर्ग ऊर्जा के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356 वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation
दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Red clay का निक्षेप विशाल गहरे तथा विस्तृत क्षेत्र में पाया जाता है।

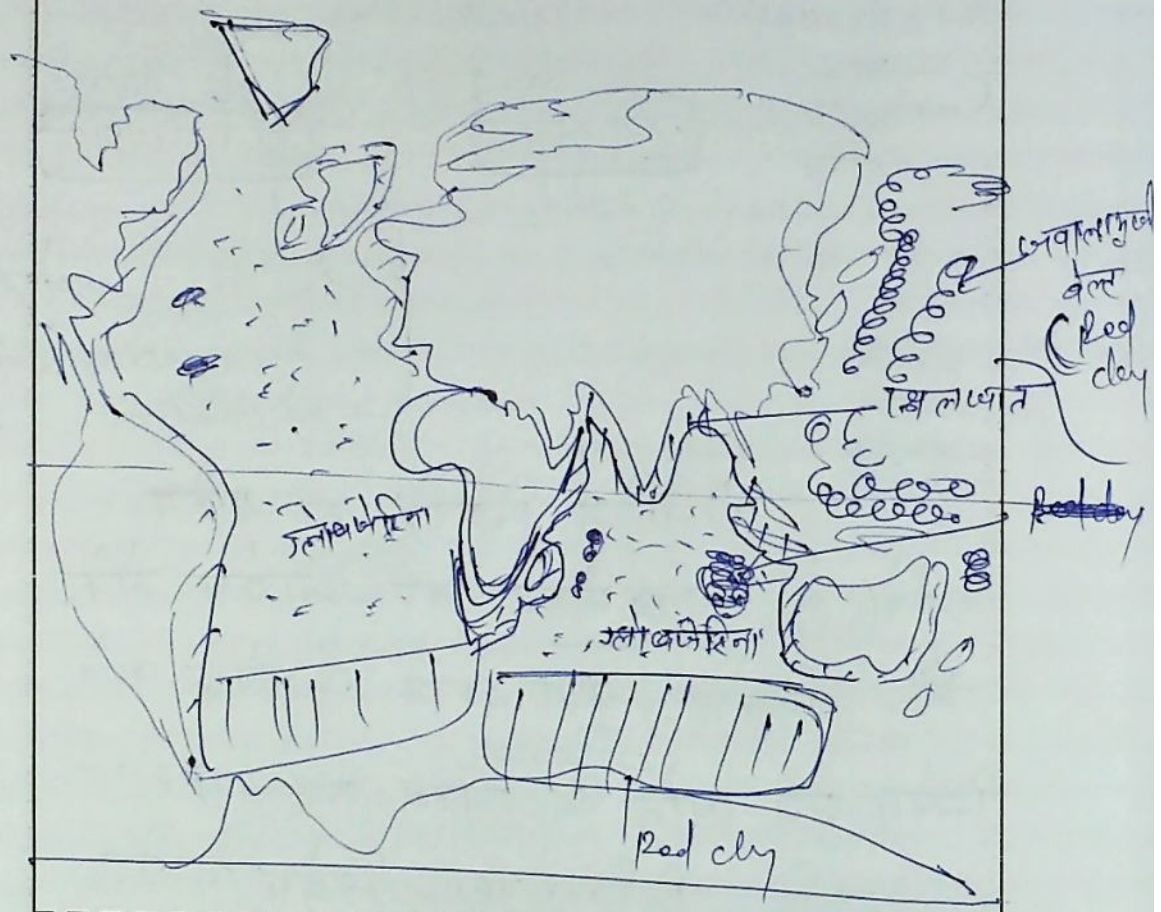

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

भूगोल (वैकल्पिक विषय)

प्रश्न पत्र- द्वितीय

मानव भूगोल में संदर्श और मॉडल, सिद्धांत एवं नियम
(भू-आकृति विज्ञान, जलवायु विज्ञान और समुद्र विज्ञान)

निर्धारित समय: तीन घंटे	*अधिकतम अंक : 250*
Time Allowed: Three Hours	*Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।*

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

*प्रश्न संख्या 1 और 5 **अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के उत्तर दीजिये।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH***

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

T h R

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation